ओम् शान्ति 15-8-14 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति लाडले, अपनी श्रेष्ठ वृत्तियों द्वारा विश्व को सर्व शक्तियों की सकाश देने वाली निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आप सबकी स्नेह भरी यादें सदा पहुचंती रहती हैं। आप सबका संकल्प चलता होगा कि दादी जानकी जी इतना समय से अहमदाबाद लोटस हाउस में कौन सी ट्रीटमेंट ले रही हैं! काफी समय से वहाँ पर ही हैं। लेकिन कुछ समय दादी जी बिल्कुल ठीक रहती, अपने आपको बिल्कुल स्वस्थ महसूस करती, सबको बहुत-बहुत स्नेह भरी पालना देती, वहाँ बैठे भी देश विदेश में क्लासेज़ कराती, फिर दो तीन दिन के बाद तबियत बिगड़ जाती। दादी जी को बीच-बीच में पेट में काफी दर्द उठता है इसलिए थोड़े समय में ही दो बार लोटस हाउस के समीप अपोलो हॉस्पिटल में भरती होना पड़ा। अभी दो दिन से दादी हॉस्पिटल में ही हैं। कल सतगुरुवार को सन्देशी ने बापदादा को दादी की याद दी और तबियत का समाचार सुनाया तो बाबा थोड़ा गम्भीर रूप से देखने लगे और बोले कि बच्ची अनेक बच्चों का संकल्प अनेक प्रकार से चल रहा है, ऐसा क्यों हो रहा है, तबियत को लेक करके! तो बाबा ने कहा बच्ची, बच्चे ड्रामा को भूल जाते हैं तब इस प्रकार की बातें करते, ड्रामा की सीन एक जैसी नहीं हो सकती। यदि एक जैसी होती तो ड्रामा नहीं कह सकते।

फिर भी बाबा देखता है, जानता है कि बच्ची को तकलीफ हो रही है। बच्ची ने समय पर शरीर का ध्यान नहीं दिया। दूसरों का ध्यान शुरू से सभी के प्रति रखा है इसलिए आहिस्ते-आहिस्ते शरीर पुराना होने के कारण तकलीफ ज्यादा बढ़ गई है। फिर भी बाप यही कहेंगे कि बच्ची ने सारी दुनिया, सारे विश्व को सकाश दी है, अभी बच्ची को सभी बच्चे विशेष सकाश देवें।

इस सुहावने संगमयुग की घड़ियों में हमारी निमित्त दादियां तो प्राण हैं, दादियों से सभी का जिगरी प्यार है। तो बाबा इस स्नेह के रिटर्न में हम सबसे यही चाहते हैं कि बच्चे योग के प्रयोग करें। अपनी सूक्ष्म शुभ संकल्पों की सकाश द्वारा बेहद सेवा के निमित्त बनें, जिससे दादी जी को भी सबकी ऐसी सकाश मिले जो दादी शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होकर हम सबके बीच मधुबन में पहुंच जाएं।

तो यही ***शुभ राय है कि हर सेन्टर पर मुरली क्लास के बीच में या बाद में 10 मिनट विशेष योग अभ्यास सभी स्थानों पर चले। शाम के समय भी संगठित रूप में अपनी श्रेष्ठ शुभ वृत्तियों की सकाश देने की सेवा करें।***

अच्छा - सभी को याद...

ईश्वरीय सेवा में,

B.K. Ratan Mohini

(बी.के. रतनमोहिनी)